

## الصدار الذي نسجته

هنا مكان صدارك هنا هنا في جوارك

\*\*\*

هنا هنا عند قلبي يكاد يلمس حبي  
وفيه منك دليل على المودة حسبي

\*\*\*

ألم أنل منك فكرة في كل شكة إبرة  
وكل عقدة خيط وكل جرة بكرة!

\*\*\*

هنا مكان صدارك هنا هنا في جوارك  
والقلب فيه أسير مطوق بحصارك!

\*\*\*

هذا الصدار رقيب على الفؤاد قريب  
سليبه : هل مر منه إلي طيف غريب؟

\*\*\*

نسجته بيديك على هدى ناظريك  
إذا احتواني فإني ما زلت في إصبعيك